



## भारत के आर्थिक विकास में रेल परिवहन का योगदान

डॉ. राधेश्याम साहू

सहायक प्राध्यापक (वाणिज्य), राजीव गांधी शासकीय कला एवं वाणिज्य महाविद्यालय लोरमी, जिला-मुंगेली, (छत्तीसगढ़) भारत

### ABSTRACT

भारतीय रेलवे को भारत की जीवन रेखा माना जाता है, भारतीय रेल बड़े पैमाने पर माल की आवाजाही के साथ-साथ लंबी दूरी की यात्रा के लिए परिवहन का एक आदर्श एवं महत्वपूर्ण साधन भी है। आज की प्रौद्योगिकी की दुनिया में वैश्विक स्तर पर हो रहे तकनीकी बदलाव को अपनाना और उन्हें लागू करके उपभोक्ताओं को समय की आवश्यकता के साथ-साथ आधुनिक मांग भी है। भारतीय रेलवे के संदर्भ में यह व्यापक रूप से ज्ञात है, और सार्वभौमिक रूप से मान्यता प्राप्त भी है कि वैश्विक रेल शिखरों में भारतीय रेलवे का एक अद्वितीय स्थान है। भारतीय रेल परिवहन न केवल आर्थिक विकास के आधार – मॉडल के रूप में काम करती है, बल्कि यह विभिन्न सामाजिक और राष्ट्रीय उद्देश्यों को पूरा करने के उपकरणों के रूप में भी काम कर रही है। भारतीय रेलवे अपने सामाजिक उत्तरदायित्वों के साथ-साथ आत्मनिर्भरता की ओर आगे बढ़ रही है। चूंकि भारतीय रेल, परिवहन का एक महत्वपूर्ण साधन है, इसलिए भारत के आर्थिक विकास को गति प्रदान करने में यह महत्वपूर्ण स्थान है। भारत में रेल परिवहन का एक महत्वपूर्ण कार्य मानव सभ्यता को विकसित करना भी है क्योंकि इस परिवहन के माध्यम से जन-समुदाय विशाल क्षेत्रों में अंतर्निहित निश्चितताओं से अपनी आवश्यकताओं को पूरा करते हैं, और इसके साथ ही साथ अपने कौशल और दक्षता को विकसित करते हैं। आर्थिक लाभ प्राप्त करने के अवसर भी सृजित होते हैं। भारतीय रेल परिवहन का समाज के आर्थिक विकास में महत्वपूर्ण स्थान है, जो समाज के जीवन स्तर को उच्च बनाए रखने के लिए और भारतीय अर्थव्यवस्था के संचालन और आर्थिक विकास के लिए परिवहन व्यवस्था की रीढ़ के रूप में काम करके एक अद्वितीय पहचान बना रहा है।

**मुख्य शब्द:** भारतीय रेल, रेल परिवहन, अद्वितीय, भारतीय अर्थव्यवस्था, आर्थिक विकास।

### प्रस्तावना

रेलवे यह एक अंग्रेजी शब्द है। इसका अर्थ 'रुलों का रास्ता' होता है। यह यातायात एवं परिवहन व्यवस्था से जुड़ा हुआ है। रेल परिवहन का आर्थिक विकास में योगदान को समझने से पहले आर्थिक विकास के आशय को समझना जरूरी है। रेल परिवहन देश की आर्थिक विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। रेल परिवहन के विकास के साथ-साथ भारत के आर्थिक स्थिति में महत्वपूर्ण परिवर्तन हुए हैं। कोई भी राष्ट्र आर्थिक विकास की प्रक्रिया में अग्रसर तभी हो सकता जब उस राष्ट्र की जनता का आर्थिक स्तर में लगातार वृद्धि के साथ दीर्घकालीन सुधार हो जिससे उनके जीवन स्तर में समृद्धि एवं गतिशीलता बनी रहे। भारत के आर्थिक विकास में किये गये प्रयासों के अन्तर्गत जनता के लिए खाद्यान्न के उत्पादन तथा अन्य आवश्यकताओं की पूर्ति हेतु राष्ट्र की प्राकृतिक संसाधन के साथ मानव संसाधनों से लाभ उठाना शामिल है। आर्थिक विकास के लिए कच्चे माल, ईंधन तथा तैयार माल के परिचालन के लिए परिवहन सुविधाओं को विकसित करने की आवश्यकता होगी।

**भारतीय रेलवे का इतिहासिक पृष्ठभूमि:** भारत में पहली यात्री ट्रेन 16 अप्रैल सन् 1853 को मुंबई से 34 किलोमीटर दूर ठाणे के लिए रवाना हुई, जिसके लिए भारत में सन् 1850 से रेलवे संबंधी महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचा को विकसित करना प्रारंभ की गई थी। भारतीय अर्थव्यवस्था के संदर्भ में, रेलवे ने बाजारों को एकीकृत करने

और व्यापार बढ़ाने में प्रमुख योगदान दिया है। साथ ही साथ राजनीति के संदर्भ में, रेलवे ने औपनिवेशिक सरकार और रियासतों के वित्त को आकार दिया। भारतीय राजनीतिक परिदृश्यों ने रेलवे के स्वामित्व और नीति को प्रभावित किया, जिससे अंततः रेलवे के प्रदर्शन को प्रभावित किया गया परिणाम स्वरूप जैसे-जैसे बीसवीं सदी आगे बढ़ती गई, भारत में रेलवे स्वतंत्रता और लोकतंत्र की ताकत बन गई।

भारत सरकार का शुरु से ही रेलवे पर गहरा प्रभाव था, लेकिन समय के साथ – साथ सरकार की भूमिका बढ़ती गई। सन् 1880 और सन् 1908 के बीच रेलवे का आंशिक रूप से राष्ट्रीयकरण किया गया क्योंकि भारत सरकार ने पूर्व गारंटी वाली रेलवे कंपनियों में बहुमत स्वामित्व हिस्सेदारी ले ली थी। लाभांश गारंटी सन् 1880 से पहले निजी स्वामित्व के शुरुआती युग की एक प्रमुख विशेषता थी, इस संबंध में तर्क है कि गारंटी कम लागत के प्रोत्साहन को कमजोर करती है, लेकिन उन्होंने तेजी से रेलवे विकास को भी प्रोत्साहित किया है। सन् 1924 और 1947 के बीच पूर्ण राष्ट्रीयकरण हुआ क्योंकि औपनिवेशिक सरकार ने संचालन पर पूर्ण नियंत्रण ग्रहण कर लिया था।

भारत में रेलवे के विकास को दो अवधियों में वर्गीकृत किया जा सकता है सन् 1920 से पहले और सन् 1920 के बाद। सन् 1850 से सन् 1919 के बीच उच्च उत्पादन, उत्पादकता और मुनाफे की प्रवृत्ति

थी, लेकिन सन् 1920 के बाद इसमें कमी आ गई। इस तथ्य का भी स्पष्ट प्रमाण है कि रेलवे ने बाजार एकीकरण बढ़ाया और आय बढ़ाया है। भारत में रेलवे के परिचालन के पहले दशक में यातायात धीरे-धीरे विकसित हुआ, लेकिन बाद में यातायात में वृद्धि ने आधिकारिक अनुमानों को भी आश्चर्य चकित किया है। भारतीयों ने माल और एक स्थान से दूसरे स्थान तक जाने के लिए रेलवे का उपयोग किया, जिससे भारत के विभिन्न क्षेत्रों में मूल्य अभिसरण और बाजार एकीकरण हुआ।

#### अध्ययन का उद्देश्य:

- 1 भारत के आर्थिक विकास में रेल परिवहन के भागीदारी को सुनिश्चित करना।
- 2 भारत में रेल परिवहन के सामाजिक उत्तरदायित्वों का निर्धारण करना।
- 3 भारत में यातायात परिचालन में रेल परिवहन के भूमिका का निर्धारण करना।
- 4 भारत में रोजगार के अवसर में भागीदारी सुनिश्चित करना।
- 5 भारत के औद्योगिक विकास में रेल परिवहन के भूमिका सुनिश्चित करना।

#### अध्ययन की परिकल्पना:

- 1 अध्ययन की परिकल्पना यह है कि भारत का आर्थिक विकास एवं रेल परिवहन में प्रत्यक्ष संबंध स्थापित होता है।
- 2 अध्ययन की परिकल्पना यह है कि रेल परिवहन से देश में कृषि एवं औद्योगिक उत्पादों के उत्पादन व वितरण लागत में कमी आई है।
- 3 अध्ययन की परिकल्पना यह है कि देश में रेल परिवहन से सामाजिक संतुष्टि स्तर में वृद्धि हुई है।

#### साहित्य की समीक्षा

- 1 गीतिका गोयल (2010) ने निम्नलिखित वर्षों में भारतीय रेलवे द्वारा की गई सेवाओं का अध्ययन किया है। प्रस्तुत शोध पत्र में मुख्य रूप से रेलवे प्लेटफार्म पर प्रदान की जाने वाली गुणवत्तापूर्ण सेवाओं का विभिन्न पहलुओं पर विचार किया है।
- 2 डां जी साथियामूर्ति एट अल (2016) ने भारतीय रेलवे और इसकी सेवाओं के तकनीकी पहलुओं का अध्ययन करने के बजय प्रबंधकीय पहलुओं का अध्ययन किया है। शोधकर्ताओं ने भारतीय रेलवे सेवाओं के प्रति यात्रियों की जागरूकता के स्तर के बारे में जानकारी प्राप्त करने का प्रयास किया है।
- 3 अकिंत (2019) भारतीय रेलवे के बड़े पैमाने पर आवाजाही के साथ – साथ लंबी दूरी की यात्रा के लिए परिवहन का सबसे सुविधाजनक साधन है। प्रौद्योगिकी की दुनिया भर में हो रहे तकनीकी परिवर्तनों को चुनना और लागू करना और भारतीय उपभोगताओं की तीव्र मांग को पूरा करना समय की मांग है।
- 4 हाफिज वसीम अकरम (2021) भारतीय रेलवे (आईआर) को भारत की जीवन रेखा माना जाता है, जो दूसरे सबसे अधिक आबादी वाले देश के हर नुकड़ और कोने को जोड़ता है। सबसे बड़े लॉजिस्टिक्स कैरियर का लॉजिस्टिक और फाइनेंशियल परफॉर्मेंस कुछ वर्षों से कम रहा है। आईआर का

धीरे-धीरे बिगड़ता स्वास्थ्य न केवल ध्यान आकर्षित करता है, बल्कि इस नाजुकता के अंतर्निहित कारणों को समझने के लिए मन में बेचौनी भी पैदा करता है।

**अध्ययन की शोध प्रविधि:** अध्ययन की शोध प्रविधि में प्राथमिक व द्वितीयक शोध समूहों के रूप में समाचार पत्र, विभिन्न पत्र – पत्रिकाओं से प्राप्त प्रकाशित शोध समूहों का प्रयोग किया गया है। प्राथमिक समूहों के लिए प्रश्नावली का उपयोग किया है, जिसके लिए नमूनाकरण के रूप में 40 उत्तरदाताओं का चयन किया गया है। रैंडम नमूनाकरण विधि का उपयोग किया गया है।

#### रेल परिवहन का भारतीय आर्थिक क्षेत्र पर योगदान:

- **कृषि विकास:** रेल आगमन के साथ-साथ देश में बड़े आकार के साथ कम मूल्य की वस्तुओं की दुलाई का युग आया जिसमें मुख्य रूप से अन्न, दालें, रूई, जूट आदि वस्तुएँ देश के अन्दर दूरवर्ती बाजारों में विक्रय प्रारंभ की गई। जो किसान केवल उपभोग के लिए कृषि उपज लेता था वह बिक्री के लिए भी कृषि उपज को भी बोने लगा जिसके अंतर्गत – चाय, कहवा, रूई, तिलहन आदि नकदी फसले अधिकाधिक रूप से उगाई जाने लगी। परिणाम स्वरूप कृषि का विकास ही नहीं हुआ बल्कि उसका स्वरूप ही बदल गया।
- **औद्योगिक विकास:** अन्य देशों की भाँति भारत के औद्योगिकरण में रेलों का बड़ा हाथ है। 19 वीं शताब्दी के मध्य भाग में रेल बनने के उपरान्त ही भारत में विशाल उद्योगों की स्थापना हुई। सन् 1853 में बंबई के निकट प्रथम रेल चालू किया गया और उसके एक साल बाद सन् 1854 में वहाँ प्रथम सूती मिल चालू हुई। कलकत्ता में सन् 1854 में प्रथम रेल चली तथा उसी वर्ष वहाँ जूट उद्योग स्थापित हुआ। इसी तरह रेल की प्रगति के साथ-साथ कोयला उद्योग का विकास हुआ। आज भी प्रथम तीन योजनाओं की अवधि में जो कुछ नया रेल मार्ग बना वह कोयला और लोहा-इस्पात की आवश्यकता पूर्ति के निमित्त था। इस्पात पट्टी में रेल पटरियाँ बिछाने के उपरान्त ही राउरकेला, भिलाई और दुर्गापुर के कारखाने स्थापित हुए। सूती वस्त्र, जूट, कोयला, लोहा-इस्पात, चीनी, कागज, सीमेंट, चाय, पेट्रोलियम पदार्थ आदि देश के महान उद्योगों को अपनी वर्तमान स्थिति तक लाने का श्रेय रेलों को ही है जो उन्हें दूर-दूर से सस्ते भाड़े पर आवश्यक कच्चा माल, मशीनें, यंत्र उपकरण आदि नियमित रूप से देती रहती है और उनके बने हुए माल को विस्तृत बाजार में वितरित करती रहती है। यह कहा जाता है कि भारत के 90 प्रतिशत उद्योगों का वैभव रेलों की प्रत्यक्ष अथवा अप्रत्यक्ष सहायता पर निर्भर है।
- **व्यापारिक विकास एवं विस्तार:** रेल युग में देशी व विदेशी दोनों ही प्रकार के व्यापार का अत्यधिक विस्तार हुआ है। इसका मुख्य कारण बड़े आकार की वस्तुओं की सस्ती दुलाई करना है। आयात माल को देश के कोने-कोने तक पहुँचाने का काम रेलों का ही है। निर्यात संवर्द्धन की हमारी नीति में रेलवे ने महात्त्वपूर्ण सहयोग ही नहीं दिया है, बल्कि निर्यातित माल को विशेष सुविधाएं प्रदान कर सस्ते भाड़े लेकर निर्यात को प्रोत्साहित किया है। खनिज अयस्क और मैंगनीज के निर्यात को

बढ़ाने की मुख्य श्रेय रेलवे को ही दिया जाता है। सन् 1955-56 से सन् 1965-66 तक खनिज अयस्क का निर्यात 25 लाख टन से बढ़कर 110 लाख टन हो गया। यह कार्य खनिज केन्द्रों से बंदरगाहों तक नई रेलवे लाईन बिछाकर किया गया।

- **रोजगार की सुविधा:** भारतीय रेल प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से लोगों को रोजगार देने में अग्रसर रहा है। भारतीय रेल द्वारा पिछले 9 सालों में 40 लाख से अधिक रोजगार उत्पन्न किए गए हैं। भारत की आर्थिक स्थिति जैसे जैसे मजबूत हुई है उसमें भारतीय रेल की प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष भूमिका उल्लेखनीय रही है। भारतीय रेल, रोजगार सृजन करने में प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से सहयोगी है। इसने पिछले 9 सालों में 40 लाख से अधिक रोजगार उत्पन्न किए हैं। रोजगार को बढ़ावा देने के लिए देश के माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी द्वारा दिनांक 22 अक्टूबर, सन् 2022 को रोजगार मेला का शुभारंभ किया गया था जिसके अंतर्गत भारतीय रेलवे द्वारा भी लाखों लोगों को रोजगार दिया गया है। इस साल, 28 अक्टूबर, सन् 2023 को आयोजित रोजगार मेले में 51,000 से अधिक अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र सौंपे गये, जिसमें करीब 14 हजार रोजगार भारतीय रेलवे द्वारा किया गया।

भारतीय रेलवे द्वारा गरीब कल्याण रोजगार अभियान के अंतर्गत 18 सितम्बर सन् 2020 तक बिहार, झारखण्ड, मध्य प्रदेश, ओडिशा, राजस्थान और उत्तर प्रदेश जैसे छह राज्यों में 9 लाख 79 हजार 557 दिहाड़ी रोजगार प्रदान किये गए। गत वर्षों दुनिया की सबसे बड़ी ऑनलाइन परीक्षा, रेलवे द्वारा आयोजित की गई थी जिसमें अनुमानित 1.11 करोड़ से ज्यादा उम्मीदवारों ने परीक्षा दी थी। रेलवे द्वारा इस परीक्षा को पारदर्शी तरीके से सफलतापूर्वक सम्पन्न किया गया। कोरोना महामारी के बावजूद रेलवे द्वारा ऐसी परीक्षाएँ आयोजित कर रोजगार उपलब्ध कराना उल्लेखनीय कार्य है। रोजगार सृजन करने की दिशा में भारतीय रेलवे ने देश भर में अपने लगभग 1309 स्टेशनों का पुनर्निर्माण करने और यात्रियों की व्यापक जरूरतों को पूरा करने व उन्हें आधुनिक सुविधाओं से लाभान्वित करने के लिए अमृत भारत स्टेशन योजना भी प्रारंभ की गई है, जिसके प्रारंभिक चरण में 508 स्टेशनों का पुनर्विकास होगा जिसके द्वारा प्रत्यक्ष व अप्रत्यक्ष रूप से राजगार के अवसर उपलब्ध होंगे।

वर्ष	रोजगार की प्रप्ति
2004-2014	4,11,224
2014-2023	4,99,000

Source- [nr.indianrailways.gov.in](http://nr.indianrailways.gov.in)

रोजगार मेला की मदद से पिछले 1 साल में अनुमानित 1.5 लाख लोगों को रेलवे द्वारा रोजगार दिया गया है। 2004 से 2014 की अवधि में जहां प्रति वर्ष अनुमानित 41 हजार रोजगार दिया गया वहीं 2014 से 2023 की अवधि में प्रतिवर्ष अनुमानित 50 हजार से अधिक रोजगार दिया गया है।

- **शिक्षा, शिक्षण एवं अनुसंधान:** शिक्षा-प्रसार में भी रेलवे का

बड़ा योगदान है। जहाँ पर शिक्षा सुविधाओं का अभाव है वहाँ पर रेलवे ने अपने कर्मचारियों के बच्चों के लिए अपने निजी स्कूल व कॉलेज खोले हैं जिनसे न केवल रेल कर्मचारी, बल्कि अन्य नागरिक भी लाभान्वित होती है। सन् 1960 से रेलवे के सभी प्रारम्भिक स्कूलों में पढ़ने वाले रेल कर्मचारियों के बच्चों को मुक्त शिक्षा दी जाने लगी है। सन् 1964 से हाई स्कूल में पढ़ने वालों की फीस रेलवे स्वयं अपनी ओर से देती है। सामान्य ही नहीं तकनीकी शिक्षा की व्यवस्था भी रेलवे द्वारा की जाती थी। कर्मचारी कल्याण निधि से धन लगाकर भारतीय रेलवे तकनीक शिक्षा के लिए उन कर्मचारियों के बच्चों को जिनकी आर्थिक आमदनी का स्त्रोत कम है, उन्हें आर्थिक सहायता भी देती है। कर्मचारी कल्याण निधि से धन लगाकर रेलवे ने कई व्यवसायिक शिक्षण केन्द्र भी खोले हैं।

- **रेल परिवहन एवं आर्थिक महत्व:** संसाधन सम्पन्न स्थाई निधि और जनसंख्या का परिमाण अलग-अलग देशों में अलग-अलग हो सकता है, जो कि कुछ क्षेत्रों में कृषि प्रधान हो सकते हैं, कुछ क्षेत्रों में मुख्य रूप से खनिज संसाधन हो सकते हैं, कुछ क्षेत्रों में मानव संसाधन बड़ी संख्या में हो सकती है। मुख्य रूप से उत्पादन, वितरण और सामाजिक संतुष्टि बढ़ाने के लिए इन सभी संसाधनों को एक स्थान पर लाना पड़ता है। इन विभिन्न आर्थिक, वाणिज्यिक तथा सामाजिक क्रियाकलापों के बीच सम्बन्ध स्थापित करने का कार्य रेल परिवहन करता है। किसी अर्थव्यवस्था में पर्याप्त परिवहन सुविधाओं के अभाव में स्थानीय उत्पादन की मात्रा और वितरण लागत एक समुदाय से दूसरे समुदाय में भिन्न होगा। पर्याप्त रेल परिवहन सुविधाओं की उपलब्धता समुदाय को अलगाव से बचाती है, क्योंकि स्थानीय साधनों से उत्पादित वस्तुओं का विभिन्न समुदायों के बीच आदान-प्रदान किया जा सकता है, ताकि वे समुदाय केवल स्थानीय रूप से उत्पादित वस्तुओं तक ही सीमित न हो। रेल परिवहन और उत्पादन की लागत को घटाने से किसी भी क्षेत्र उत्पादों के लिए उनके बाजार के विस्तार में सहायता मिलेगी। इससे उत्पादन कार्य के विशिष्टीकरण में सुविधा होगी और उसे प्रोत्साहन भी मिलेगी। प्रत्येक व्यक्ति उस स्थान में उपलब्ध प्राकृतिक संसाधनों के उपयोग से अपने उद्देश्य को पूरा कर सकते हैं। इसके साथ ही कच्चे माल, उत्पादन केन्द्रों तथा बाजार को एक दूसरे से जोड़कर, रेल परिवहन प्रत्येक क्षेत्रों को उसकी अपनी संसाधन सम्पन्न निधि के अनुसार विशिष्ट बनने का अवसर प्रदान करती है।

**आंकड़ों का विश्लेषण:**

**प्रश्नावली**

- 1 क्या रेल परिवहन भारत के आर्थिक विकास में भूमिका निभाती है ?

**Does rail transport play a role in the economic development in India?**

		Frequency	Percent	Valid Percent	Cumulative Percent
Valid	AGREE	25	62.5	62.5	62.5
	DISAGREE	9	22.5	22.5	85.0
	NEUTRAL	6	15.0	15.0	100.0
	Total	40	100.0	100.0	

तालिका क्रमांक: 1

उपरोक्त तालिका 1 में क्या रेल परिवहन भारत के आर्थिक विकास में भूमिका निभाती है के सम्बंध में यह ज्ञात होता है कि 62.5 प्रतिशत उत्तरदाताओं के द्वारा इस बात से सहमत है और 22.5 प्रतिशत उत्तरदाताओं ने अपनी असहमति व्यक्त किया है। तथा 15 प्रतिशत उत्तरदाताओं का जवाब तटस्थ रहा है।

## 2 क्या रेल परिवहन सड़क व्यापार से सस्ती है ? Is Rail transport cheaper than road trade?

		Frequency	Percent	Valid Percent	Cumulative Percent
Valid	AGREE	36	90.0	90.0	90.0
	DISAGREE	4	10.0	10.0	100.0
	Total	40	100.0	100.0	

### तालिका क्रमांक: 2

उपरोक्त तालिका 2 में क्या रेल परिवहन सड़क व्यापार से सस्ती है के संबंध में 90 प्रतिशत उत्तरदाताओं द्वारा इस बात से सहमत है और 10 प्रतिशत उत्तरदाताओं ने असहमती व्यक्त किया है।

## 3 क्या रेल परिवहन उचित यातायात सुविधा प्रदान करती है ? Does rail transport provide adequate transportation facilities?

		Frequency	Percent	Valid Percent	Cumulative Percent
Valid	AGREE	33	82.5	82.5	82.5
	DISAGREE	4	10.0	10.0	92.5
	NEUTRAL	3	7.5	7.5	100.0
	Total	40	100.0	100.0	

### तालिका क्रमांक: 3

उपरोक्त तालिका 3 में क्या रेल परिवहन उचित यातायात सुविधा प्रदान करती है के संबंध में 82.5 प्रतिशत उत्तरदाताओं द्वारा इस बात से सहमत है वही और 10 प्रतिशत उत्तरदाताओं ने असहमती व्यक्त किया है। तथा 7.5 प्रतिशत उत्तरदाताओं ने तटस्थ विकल्प का चयन किया है।

## 4 क्या रेल परिवहन यात्रियों के लिए सड़क यातायात से सस्ती है ? Is rail transport cheaper for passengers than road transport?

		Frequency	Percent	Valid Percent	Cumulative Percent
Valid	AGREE	38	95.0	95.0	95.0
	DISAGREE	2	5.0	5.0	100.0
	Total	40	100.0	100.0	

### तालिका क्रमांक: 4

उपरोक्त तालिका 4 में क्या रेल परिवहन यात्रियों के लिए सड़क यातायात से सस्ती के संबंध में 95 प्रतिशत उत्तरदाताओं द्वारा इस बात से सहमत है और 5 प्रतिशत उत्तरदाताओं ने असहमती व्यक्त किया है।

## 5 क्या रेल परिवहन के माध्यम से सामाजिक एवं धार्मिक स्थलों में पर्यटकों के आवागमन में वृद्धि हुई है ?

## Has there been an increase in tourist traffic to social and religious places through rail transport?

		Frequency	Percent	Valid Percent	Cumulative Percent
Valid	AGREE	32	80.0	80.0	80.0
	DISAGREE	5	12.5	12.5	92.5
	NEUTRAL	3	7.5	7.5	100.0
	Total	40	100.0	100.0	

### तालिका क्रमांक: 5

उपरोक्त तालिका 5 में क्या रेल परिवहन के माध्यम से सामाजिक एवं धार्मिक स्थलों में पर्यटकों के आवागमन में वृद्धि हुई है के संबंध में 80 प्रतिशत उत्तरदाताओं द्वारा इस बात से सहमत है और 12 प्रतिशत उत्तरदाताओं ने असहमती व्यक्त किया है। तथा 7.5 प्रतिशत उत्तरदाताओं ने तटस्थ विकल्प का चयन किया है।

### परिणाम:

उपरोक्त प्रश्नावली के माध्यम से यह ज्ञात होता है कि रेल परिवहन लोगों को आर्थिक रूप से ही नहीं बल्कि सामाजिक एवं धार्मिक रूप से भी लाभान्वित किया है उत्तरदाताओं को यातायात सुविधाएं प्राप्त हो रही है लेकिन कुछ उत्तरदाताओं ने यातायात सुविधाएं के विषय पर असहमति भी व्यक्त किया है। इसी के साथ-साथ उत्तरदाताओं का यह भी विचार है कि रेल परिवहन सुरक्षा के दृष्टिकोण से सबसे अधिक सुरक्षित माना जाता है। रेल परिवहन के परिचालन के लिये विशेष रेल मार्ग होते हैं जो उच्च गति से चलने वाली दूसरी वाहनों को अलग करते हैं जो सुरक्षा का एक बड़ा साधन है।

### निष्कर्ष:

आधुनिक वैश्विक परिदृश्य में बने रहने के लिए तकनीकी परिवर्तन के साथ भारतीय रेल परिवहन में सुधार आवश्यक है। हालांकि भारतीय रेलवे को दुनिया का सबसे बड़ा यातायात साधन माना जाता है। रेलवे द्वारा ग्राहकों को उनकी सेवाओं का लाभ उठाने के लिए आकर्षित करने के करने के साथ उपलब्ध सुविधाएं प्रदान करना आवश्यक है। भारतीयों की बदलती धारणाओं को ध्यान में रखते हुए ग्राहकों, भारतीय रेलवे अपने उपयोगकर्ताओं ग्राहकों को बेहतर सेवा प्रदान करने के लिए नई सेवाओं (ऑनलाइन और ऑफलाइन) को अपनाने की कोशिश कर रहा है। प्रस्तुत शोध पत्र में भारत के आर्थिक विकास में रेल परिवहन के योगदान को रेखांकित किया गया है। द्वितीयक आंकड़ों व प्राथमिक आंकड़ों के विश्लेषण के आधार पर भारत के आर्थिक विकास में रेल परिवहन के योगदान को समझाने का प्रयास किया गया है।

### सन्दर्भ ग्रंथ सूची:

- 1 भारतीय रेलवे विजन 2020 (2009) पर एक तकनीकी रिपोर्ट, भारत सरकार रेल मंत्रालय।
- 2 गीतिका गोयल, एस एन (2010) सेवा गुणवत्ता पर उपभोगकर्ता संतुष्टि के निर्धारक भारत में भारतीय रेलवे प्लेटफार्मा का एक अध्ययन, Journal of Public Transportation , 13 (1): 97-113.
- 3 अंकित (2019) भारतीय रेलवे में हालिया रुझान और विकास, JETIR, 6(6): 545-551
- 4 जॉन हर्ड और लैन जे. केर (2012) भारत में रेलवे का इतिहास, ISBN 978-90-04-23003-3.

- 5 हाफिज वसीम अकरम (2021) भारतीय रेलवे के प्रदर्शन का विश्लेषण, In. J. Logistics system and Management, 40(3): 304
- 6 चौधरी अतुल और एस.बी. (2018) भारतीय रेलवे में हाल के तकनीकी सुधारों का उसके राजस्व पर प्रभाव और सेवाओं की शर्तों में यात्री संतुष्टि पर इसका प्रभाव, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ इनोवेटिव टेक्नोलॉजी एंड एक्सप्लोरिंग इंजीनियरिंग (एलजेआईटीईई), 8 (2,1), 90–95.
- 7 डॉ. जी.सथियामूर्ति, बी. (2017) भारतीय रेलवे सेवाओं के प्रति यात्री संतुष्टि पर एक अध्ययन, इंडियन जर्नल ऑफ रिसर्च 5(7), 96–98.
- 8 गोयल गीतिका और एस.एन. (2010) सेवा गुणवत्ता पर उपभोक्ता संतुष्टि के निर्धारक भारत में भारतीय रेलवे प्लेटफार्मों का एक अध्ययन, जर्नल ऑफ पब्लिक ट्रांसपोर्टेशन, 13 (1), 97–113.
- 9 कैसले अंजला ए.एन. (2018) भारतीय रेलवे खानपान एवं पर्यटन निगम का वित्तीय मूल्यांकन, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ बिजनेस इनसाइट्स एंड ट्रांसफॉर्मेशन, 11 (1), 52–74.
- 10 डॉ. एस सरवनन और संतोष (2023) भारतीय रसद उद्योग में भारतीय रेलवे के योगदान पर एक अध्ययन, International Journal of Research Publication and Reviews ISSN 2582-7421.
- 11 सिरोगर, मुचतरन (1990) कुछ आर्थिक और परिवहन प्रबंधन समस्याएं, इंडोनेशिया का खाजकार्ता विश्वविद्यालय।
- 12 टोडास एमपी और स्मिथ 5.सी. (2008) अर्थशास्त्र विकास 10वां संस्करण, ISBN 978032148573
- 13 डॉ. व्ही. जी. सोमकुवर (2019) रेलवे परिवहन के उद्भव और विकास का ऐतिहासिक अध्ययन (सन् 1830 से 1890 तक), International Journal of History, ISSN 2706-9117
- 14 कुमार अवीनाश (2020) भारतीय एवं विश्वव्यापी रेलवे का संक्षिप्त अध्ययन, द्रोणाचार्य कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग।
- 15 गायकवाड़ अंकित और आनंद देसाई (2019) भारतीय रेलवे में हालिया रुझान और विकास, Journal of Emerging Technologies and Innovative Research, ISSN-2349-5162, pp-546.
- 16 कुमार सुनील और कुमार अनील (2014) भारतीय एवं विश्वव्यापी रेलवे का तुलनात्मक अध्ययन, National Conference on "Recent Advances in Mechanical Engineering" RAME, ISSN 2278-01491 (1), 115.
- 17 [https://nr.indianrailways.gov.in/view\\_detail.jsp?lang=0&dcd=7801&id=0,4,268](https://nr.indianrailways.gov.in/view_detail.jsp?lang=0&dcd=7801&id=0,4,268). National Conference on "Recent Advances in Mechanical Engineering" RAME – 2013
- 18 National Conference on "Recent Advances in Mechanical Engineering" RAME – 2013
- 19 National Conference on "Recent Advances in Mechanical Engineering" RAME – 2013
- 20 National Conference on "Recent Advances in Mechanical Engineering" RAME – 2013
- 21 National Conference on "Recent Advances in Mechanical Engineering" RAME – 2013
- 22 National Conference on "Recent Advances in Mechanical Engineering" RAME – 2013
- 23 National Conference on "Recent Advances in Mechanical Engineering" RAME – 2013
- 24 National Conference on "Recent Advances in Mechanical Engineering" RAME – 2013
- 25 National Conference on "Recent Advances in Mechanical Engineering" RAME – 2013
- 26 National Conference on "Recent Advances in Mechanical Engineering" RAME – 2013